(1) चरकानुसार 'शिलाजतु' सेवनकाल में अपथ्य हैं ?

(अ) कुलत्थ

(ब) पटोल

(स) दुग्ध

(द) गोमूत्र

(2) ''लकुचाकृति'' सम होता है ?

(अ) योनिकन्द

(ब) योन्यार्श

(स) योन्याबुर्द

(द) जातहारिणी

(3) उदावर्त, हृद्ग्रह, कम्पन, लोलता – किस रोग के उपद्रव स्वरूप लक्षण है।

(अ) वातिक प्रमेह

(ब) ग्रहणी

(स) उन्माद

(द) आमवात

(4) चरक ने 'यवानी षाडव' का वर्णन किस रोग की चिकित्सा में किया है।

(अ) राजयक्ष्मा

(ब) श्वास

(स) कास

(द) ग्रहणी

(5) कर्णशूल में कर्णपूरण हेतु निर्दिष्ट हैं ?

(अ) बिल्ब पुटपाक

(ब) त्रिफला क्वाथ

(स) एरण्ड तैल

(द) जत्यादि घृत

(6) अहितकर आहार विहार यदि औचित्यपूर्वक सेवन करते रहने से प्रकृति के अनुकूल हो जाये तब उसे क्या कहते है।

(अ) ओक सात्म्य

(ब) पथ्य

(स) अपथ्य

(द) साम्य्य

(7) कायश्प ने गर्भिणी को वरण बन्धन कौनसे मास में बताया हैं ?

(अ) 6 वें माह में

(ब) 3 वें माह में

(स) 8 वें माह में

(द) 5 वें माह में

(8) रस सेवन काल में अपथ्य हैं ?

(अ) कुष्माण्ड

(ब) पटोल

(स) अलाबू

(द) मुदग्यूष

(9) उद्गारश्च सधूमाम्लः स्वेदो दाहश्च जायते – किस रोग का लक्षण है।

(अ) विदग्धाजीर्ण

(ब) पित्तज ज्वर

(स) अम्लपित्त

(द) विलम्बिका

(10) रक्तातिसार की चिकित्सा में देय है।

(अ) पिच्छा वस्ति

(ब) अनुलोमन

(स) वमन

(द) यापना वस्ति

(11) पक्षाघात में वात के साथ पित्त समन्वित होने पर कौनसे लक्षण देखेने को मिलते है ?

(अ) दाह संताप मूर्च्छाः

(ब) शैत्यशोथगुरूत्वानि

(स) शोथोष्णत्व रक्तमूत्रता

(द) कण्डू शोथ स्वेदः

(12) घृत सेवन के पश्चात् शीतल जल पाना कौनसे प्रकार का विरूद्ध है ?

(अ) परिहार

(स) संयोग

(ब) उपचार

(द) संस्कार

(13) छेद्य, भेद्य, लेखन एवं त्रिदोषघ्न है ?

(अ) क्षार

(ब) गोमूत्र

(स) अग्निकर्म

(द) सिराव्यध

(14) निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प मूढगर्भ से संबंधित है ?

(अ) षण्डी, अतिरस्यमान, जातघ्नी

(ब) कर्णिनी, वामिनी, अचरणा

(स) असम्यक् आगत, पुत्रघ्नी, फलिनी

(द) असम्यक् आगत, अतिरस्यमान, सम्मोहित

(15) भस्मक रोग का संबंध कौनसी अग्नि से है ?

(अ) विषमाग्नि

(ब) मन्दाग्नि

(स) तीक्ष्णाग्नि

(द) समाग्नि

(16) बद्धगुदोदर का लक्षण है ?

(अ) प्रायो नाभ्युपरि गोपुच्छवदभिनिर्वर्तत

(ब) मन्दज्वराग्नि

(स) यथा दृतिः क्षुभ्यते कम्पते

(द) महत् परिवृत नाभि

(17) आवरण चिकित्सा सिद्धान्त के अनुसार सर्वप्रथम किसकी चिकित्सा की जाती है ?

(अ) आश्रय की

(ब) आश्रयी की

(स) आवृत्त की

(द) आवरक की

(18) शारंर्धर के अनुसार क्षीरपाक कल्पना में द्रव्य, दुग्ध एवं जल का अनुपात होता है ?

(अ) 1 : 8 : 64

(ब) 1 : 8 : 32

(स) 1 : 8 : 16

(द) 1 : 4 : 16

(19) अत्यम्बुपान, विषमाशन, वेगसंधारण, स्वप्नविपर्यय – किस रोग के निदान हैं ?

(अ) अजीर्ण

(ब) आमवात

(स) ग्रहणी

(द) उदररोग

(20) निम्न में से कौनसा कथन असत्य है।

(अ) मात्रा बस्ति अनुवासन वस्ति है

(ब) निरूह वस्ति आस्थापन वस्ति है

(स) निरूह वस्ति स्नेह वस्ति है

(द) स्नेह वस्ति अनुवासन वस्ति है

(21) कफज नानात्मज विकार है।

(अ) तृप्ति

(ब) उरूस्तम्भ

(स) अंसगंध

(द) तिक्तास्यता

(22) कौनसी व्याधि में एरण्ड तैल पाचक और विरेचक का कार्य करता है।

(अ) आमवात

(ब) गुल्म

(स) वातरक्त

(द) ग्रहणी

(23) सुश्रुत ने शस्त्रनिपात जन्य तीव्र वेदना की शान्ति के लिए कौनसा घृत बताया है।

(अ) जात्यादि घृत

(ब) हरिद्रा सिद्ध घृत

(स) मधुयष्टि सिद्ध घृत

(द) ब्राह्मी घृत

(24) ''मूहुबद्ध मुहुद्रवं'' किस रोग का लक्षण है।

(अ) उदररोग

(ब) गुल्म

(स) अजीर्ण

(द) ग्रहणी

(25) निम्न में से कौनसा एक व्रणशोधन व व्रणरोपण हेतु निर्दिष्ट है ?

(अ) पंचतिक्त गुग्गुलु

(ब) कासीसादि घृत

(स) गोदन्त मसी

(द) गन्ध तैल

(26) मधु, तैल, वसा, घृत से द्रावण कर्म किसके लिए किया जाता है ?

(अ) धातु भस्मों के शोधन के लिए

(ब) सत्वपातन की मात्रा निर्धारण हेतु

(स) सत्वों के मारण हेतु

(द) सत्वों के मृदुकरण हेतु

(27) लोह मारण के लिए कौनसे पुट का प्रयोग किया जाता है ?

(अ) गजपुट

(ब) कुक्कुट पुट

(स) वाराह पुट

(द) लावक पुट

(28) गर्भावस्था में रसवहा नाडी के अवरोध से कौनसा रोग हो जाता है ?

(अ) अंग वैकल्य

(ब) उपविष्टक

(स) मूढगर्भ

(द) गर्भपात

(29) निम्न में से किसे प्राण कहा गया है ?

(अ) वात, पित्त, कफ

(ब) त्रिदोष, पंचेन्द्रिय, पंचमहाभूत

(स) अग्नि, सोम, वायु, सत्व, रज, तम, पंचमहाभूत

(द) अग्नि, सोम, वायु, सत्व, रज, तम, पंचेन्द्रिय, भूतात्मा

(30) योगराज के सेवन काल में कौनसी दाल का निषेध है।

(अ) माष

(ब) मुदग्

(स) अरहर

(द) कुलत्थ

(31) चरक के अनुसार षटपदार्थ का क्रम है ?

(अ) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय

(ब) सामान्य, विशेष, गुण, द्रव्य, कर्म, समवाय

(स) सामान्य, विशेष, द्रव्य, गुण, कर्म, समवाय

(द) द्रव्य, गुण, कर्म, समवाय, सामान्य, विशेष

(32) ''अध्मापिता एवं रूजा युक्त नाभिपाक '' कौनसे रोग का लक्षण है ?

(अ) तुण्डीनाभि

(ब) विजृम्भिका

(स) पिण्डलिका

(द) विनामिका

(33) पारद के कौनसे संस्कार में द्रवस्थापन किया जाता है ?

(अ) मर्दन

(ब) रोधन

(स) दीपन

(द) मूर्च्छन

(34) नस्य द्रव्यों में श्रेष्ठ है।

(अ) वचा

(ब) अपामार्ग

(स) शिग्रु

(द) ज्योतिष्मति

(35) चरकानुसार श्रेष्ठ विषघ्न द्रव्य है ?

(अ) शिरीष

(ब) र्निगुण्डी

(स) चन्दन

(द) कूठ

(36) 'रोहिणी' कौनसे स्थानगत व्याधि है ?

(अ) नासागत

(ब) जिह्वागत

(स) कण्ठगत

(द) तालुगत

(37) Largest Branch of celiac trunk is -

(A) Hepatic artery

(B) Left gastric artery

(C) Right gastric artery

(D) Splenic artery

(38) ''प्रमोह और कास'' किसके लक्षण है।

(अ) वातज कास

(ब) क्षयज कास

(स) क्षुद्र श्वास

(द) तमक श्वास

(39) 'कुमारी' के साथ विशेष शोधन से पारद का कौनसा दोष हरण होता है ?

(अ) विष

(ब) व्रीहि

(स) मल

(द) चपलता

(40) लवण त्रय है ?

(अ) सैंधव, सौर्वचल, विड

(ब) सैंधव, सामुद्र, विड

(स) सामुद्र, सैंधव, रोमक

(द) सौर्वचल, विड, रोमक

(41) 'पंचामृत पर्पटी' के घटक हैं ?

(अ) पारद, गन्धक, कान्तलौह, अभ्रकभस्म, ताम्रभस्म

(ब) गन्धक, पारद, स्वर्ण भस्म, अभ्रकभस्म, ताम्रभस्म

(स) पारद, गन्धक, स्वर्णभस्म, वैक्रान्तभस्म, मुक्ताभस्म

(द) पारद, गन्धक, रौप्यभस्म, स्वर्णभस्म, वैक्रान्तभस्म

(42) विटप मर्म का परिमाण होता है ?

(अ) 3 अंगुल

(ब) 2 अंगुल

(स) 1 अंगुल

(द) ½ अंगुल

(43) काश्यप के अनुसार कुक्कुण में दोष होता है ?

(अ) वात, पित्त, रक्त

(ब) कफ, रक्त

(स) पित्त, कफ, रक्त

(द) वात, पित्त, कफ, रक्त

(44) निम्न में से किस योग में 'स्वर्ण माक्षिक' घटक द्रव्य के रूप में होता है ?

(अ) वृहतवातचिन्तामणि

(ब) कुमारकल्याण रस

(स) हृदयार्वण रस

(द) समीरपन्नग रस

(45) भगन्दर में क्षारसूत्र का वर्णन कहॉ मिलता है ?

(अ) चरक संहिता अर्श चिकित्सा अध्याय 14

(ब) चरक संहिता ग्रहणी चिकित्सा अध्याय 15

(स) चरक संहिता अतिसार चिकित्सा अध्याय 19

(द) चरक संहिता शोथ चिकित्सा अध्याय 12

(46) खर्पर आदि मृदु पदार्थों के सत्वपातन हेतु कौनसी मूषा निर्दिष्ट है ?

(अ) वृन्ताक मूषा

(ब) वज्र मूषा

(स) गोस्तनी मूषा

(द) महा मूषा

(47) पारद की निर्गन्ध मूर्च्छना है ?

(अ) रस सिन्दूर

(ब) रस पुष्प

(स) रस पर्पटी

(द) मकरध्वज

(48) साधारण ऋतुओंको छोडकर अन्य ऋतुओं में संशोधन का निषेध रहता है लेकिन आत्ययिक अवस्था में निम्न में से कौनसा ऋतु विकल्प मान प्रयोग किया जा सकता है।

(अ) हेमन्त ऋतु में – रक्तमोक्षण

(ब) शरद ऋतु में – वमन

(स) बर्षा ऋतु में – नस्य

(द) ग्रीष्म ऋतु में – विरेचन

(73) सुश्रुतानुसार प्राणवह स्रोत्रस का मूल है ?

(अ) हृदय, महास्रोत्रस्

(ब) हृदय, रक्तवाही धमनियॉ

(स) हृदय, रसवाही धमनियॉ

(द) फुफ्फुस, रसवाही धमनियॉ

(50) मूर्च्छा प्रलापो वमथुः प्रसेकः सदनं भ्रमः। – किसके उपद्रव है।

(अ) अजीर्ण

(ब) अलसक

(स) विसूचिका

(द) बिलम्बिका

(50) निद्रानाशोऽरतिः कम्पो मूत्राघातो विसंज्ञता। – किसके उपद्रव है।

(अ) अजीर्ण

(ब) अलसक

(स) विसूचिका

(द) बिलम्बिका

(51) गर्भनाल (Umblical cord) में होती है ?

(अ) 2 Artery & 1 vein

(ब) 1 Artery & 2 vein

(स) 2 Artery & 2 vein

(द) 1 Artery & 1 vein

(53) भावप्रकाश के अनुसार शतावरी का प्रतिनिधि द्रव्य है ?

(अ) अश्वगंधा

(ब) शतावरी

(स) विदारीकन्द

(द) वाराहीकन्द

(54) ''षडगन्धा'' किसका पर्याय है ?

(अ) वचा

(ब) जटामांसी

(स) शिग्रु

(द) यवानी

(55) बार्लाक रस का घटक नहीं है ?

(अ) जयपाल

(ब) खर्पर

(स) प्रवाल

(द) हिंगुल

(56) सैंधव लवण के साथ मृदोष्ण घृत का सेवन करना – कौनसे रोग की चिकित्सा है।

(अ) वातज छर्दि

(ब) आमज छर्दि

(स) वातज तृष्णा

(द) द्विष्टार्थ संयोगज छर्दि

(57) रक्तपित्त चिकित्सा सिद्वान्त है।

(अ) संशोधन चिकित्सा

(ब) आश्वासन चिकित्सा

(स) प्रतिमार्ग हरणं चिकित्सा

(द) दैवव्यापाश्रय चिकित्सा

(58) ''अर्जुन'' कौनसे भाग का नेत्ररोग है ?

(अ) संधिगत

(ब) शुक्लगत

(स) कृष्णगत

(द) वर्त्मगत

(59) Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below

List- I	List- II
(A) Floating ribs	1. 1-7 ribs
(B) True ribs	2. 8-10 ribs
(C) False ribs	3. 11-12 ribs

कूट :–

	A	B	C
(अ)	2	3	1
(ब)	3	2	1
(स)	2	1	3
(द)	**3**	**1**	**2**

(60) गुल्मिनां .....सर्वशो विधिवदाचरितव्या।

(अ) अनिलशान्तिरूपायैः

(ब) अनलशान्तिरूपायैः

(स) श्लेष्मशान्तिरूपायैः

(द) सर्वदोषशान्तिरूपायैः

(61) र्निगुण्डी साधित स्वरस का प्रयोग कौनसे कर्णरोग की चिकित्सा में किया जाता है ?

(अ) पूतिकर्ण

(ब) कर्णशूल

(स) कर्णनाद

(द) कर्णस्राव

(62) सूची –I (योग) को सूची–II (पर्याय) से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची – I	सूची – II
A. चन्दन	1. मालतीफल
B. जातीफल	2. गिरिमल्लिका
C. उदुम्बर	3. यज्ञांग
D. कुटज	4. भद्रश्री

कूट :–

	A	B	C	D
(अ)	4	3	1	2
(ब)	2	1	3	4
(स)	**4**	**1**	**3**	**2**
(द)	2	3	1	4

(63) हेमन्त ऋतु में हरीतकी का सेवन किसके साथ करते है ?

(अ) पिप्पली

(ब) मधु

(स) सैंधव

(द) शुण्ठी

(64) षडंगपानीय के घटक द्रव्यों में शामिल नहीं है ?

(अ) पित्तपापडा

(ब) मुस्तक

(स) तुलसी

(द) उशीर

(65) कौनसा रोग शोधन के अयोग्य है ?

(अ) वातरक्त

(ब) उरूस्तंभ

(स) आमवात

(द) विसर्प

(66) 'नवायस लौह' का अनुपान है।

(अ) गोघृत

(ब) मधु घृत

(स) गोदुग्ध

(द) त्रिफला क्वाथ

(67) रस धातु का अंजलि प्रमाण होता है ?

(अ) 10 अंजलि

(ब) 9 अंजलि

(स) 8 अंजलि

(द) 7 अंजलि

(68) दोलायंत्र का उपयोग कौनसे कर्म के लिए होता है ?

(अ) स्वेदन

(ब) जारण

(स) पातन

(द) विषांश को दूर करने

(69) वातज अर्श का आकार किसके समान होता है ?

(अ) शुक जिह्वा

(ब) जलौका वक्त्र

(स) यकृत–प्रकाश

(द) सूचीमुख

(70) ''बहिरन्तश्च पीतता'' – किसका लक्षण है।

(अ) कुम्भकामला

(ब) कामला

(स) हलीमक

(द) पानकी

(71) अध्युर्बुद व द्विरर्बुद किसके भेद है ?

(अ) अर्बुद

(ब) ग्रन्थि

(स) अपची

(द) गलगण्ड

(72) निम्न में से कौक्नसा एक द्रव्य 'विषहर' द्रव्य की तरह कार्य करता है ?

(अ) शिग्रु

(ब) मदनफल

(स) कुटज

(द) मरिच

(73) रक्तक्षय, सक्थिशोष कौनसे मर्मविद्धता का लक्षण है ?

(अ) क्षिप्र मर्म

(ब) उर्वी मर्म

(स) ककन्दुर मर्म

(द) तलहृदय मर्म

(74) दीपिका तैल का प्रयोग किया जाता है ?

(अ) कर्णरोग में

(ब) नासारोग में

(स) मुखरोग में

(द) नेत्ररोग में

(75) मुक्ते हृदयबन्धने – किसका लक्षण है ?

(अ) प्रजायनी

(ब) लीनगर्भ

(स) उपस्थित प्रसवा

(द) आसन्न प्रसवा

(76) अवपीडक नस्य में किसका प्रयोग किया जाता है ?

(अ) चर्ण का नस्य दिया जाता है।

(ब) तैल का नस्य दिया जाता है।

(स) स्नेह का नस्य दिया जाता है।

(द) कल्ल स्वरस का नस्य दिया जाता है।

(77) बर्हिधूम और अर्न्तधूम – किसके भेद है ?

(अ) जारणा

(ब) मूर्च्छना

(स) पारद बंधन

(द) पारद संस्कार

(78) षडंगपानीय किसमें निर्दिष्ट है।
(अ) तृष्णा
(ब) वातज मदात्यय
(स) अरोचक
(द) पिपासा ज्वर

(79) निम्न में से कौनसा एक द्रव्य कफज रोगों के लिए नैमित्तज रसायन की तरह कार्य करता है।
(अ) शिलाजतु
(ब) पिप्पली
(स) वाकुची
(द) भल्लातक

(80) व्रणशोथ की कौनसी अवस्था में विम्लापन किया जाता है।
(अ) प्रारम्भ में
(ब) अन्त में
(स) मध्य में
(द) विम्लापन निषिद्ध है

(81) निम्नलिखित में से कौनसा औषध युग्म प्रमेह में अतिप्रभावी है।
(अ) नागरमोथा, पित्तपापडा
(ब) हरिद्रा, आमलकी
(स) हरिद्रा, बिल्ब
(द) वासा, कण्टकारी

(82) 1. पल 2. कर्ष 3. रत्ती 4. कर्ष – उक्त मानों के संदर्भ में सही आरोही क्रम है ?
(अ) 1 → 2 → 3 → 4
(ब) 4→ 3 → 2 → 1
(स) 1 → 2 → 4→ 1
(द) 2 → 1 → 3 → 4

(83) Pulsus alternans is found in -
(A) mitral stenosis
(B) Left ventricular failure
(C) Right ventricular failure
(D) Atrial fibrillation

(84) शूनगण्डाक्षिकूटभ्रू: – किसका लक्षण है।
(अ) पाण्डु
(ब) मद्विकाभक्षण पाण्डु
(स) कामला
(द) कुम्भ कामला

(85) बीजदोषज योनिव्यापद है ?
(अ) शुष्का
(ब) सूचीमुखी
(स) षण्डी
(द) फलिनी

(86) शारंर्धर के अनुसार 'कपिकच्छू' कौनसे कर्म वाले द्रव्यों का उदाहरण है।
(अ) रसायन
(ब) बाजीकरण
(स) शुक्रलं
(द) शुक्र स्तम्भक

(87) चतुरूषण है ?
(अ) शुण्ठी, मरिच, पिप्पली, पिप्पलीमूल
(ब) शुण्ठी, अतिविषा, नागरमोथा, गुडूची
(स) त्वक्, एला, तेजपत्र, नागकेसर
(द) शुण्ठी, मरिच, पिप्पली, चित्रक

(88) गर्भास्पन्दनमनुन्नतकुक्षिता – किसका लक्षण है ?
(अ) लीनगर्भ
(ब) गर्भक्षय
(स) मूढगर्भ
(द) अर्न्तमृत गर्भ

(89) महत्पंचमूल किस कारण से वातशामक होते है ?
(अ) कषाय रस
(ब) मधुर विपाक
(स) मधुर रस
(द) उष्ण वीर्य

(90) कर्णमूलशोथ – किसका उपद्रव है।
(अ) पुनरावर्तक ज्वर
(ब) सन्निपातज ज्वर
(स) अभिन्यास ज्वर
(द) ज्वर

(91) अर्श में पथ्य है ?
(अ) शुण्ठी
(ब) अपामार्ग
(स) शिग्रु
(द) मरिच

(92) सभी स्नेहों में घृत अपने किस गुण के कारण श्रेष्ठ है।
(अ) निर्वापण
(ब) शीत
(स) सूक्ष्म
(द) संस्कारानुवर्तन

(93) चित्रक का विपाक होता है ?
(अ) मधुर
(ब) अम्ल
(स) कटु
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(94) अंसपार्श्वाभितापश्च सन्तापः करपादयोः। – किसका लक्षण है ?
(अ) पुनरावर्तक ज्वर
(ब) श्वसनिक ज्वर
(स) राजयक्ष्मा
(द) प्रलेपक ज्वर

(95) प्रतिश्याय के उपद्रव है।
(अ) बाधिर्य
(ब) अन्धता
(स) घ्राणशक्ति का नाश
(द) उपरोक्त सभी

(96) उपशीर्षक में दोष होता है।
(अ) वात
(ब) पित्त
(स) कफ
(द) रक्त

(97) मण्डलं वृत्तमुत्सन्नं सरक्त पिटिकाचितम् – किसका लक्षण है ?
(अ) पाषाणगदर्भ
(ब) इन्द्रयुधा
(स) पनसिका
(द) गर्दभी

(98) निम्न में से किस योग में 'टंकण' घटक द्रव्य के रूप में होता है ?

(अ) चर्तुमुख रस

(ब) चन्द्रकला रस

(स) चर्तुभुज रस

(द) चन्द्रामृत रस

(99) चरकानुसार ''परओज' की मात्रा होता है।

(अ) 1 अंजलि

(ब) ½ अंजलि

(स) 8 बिन्दु

(द) 6 बिन्दु

(100) Femoral canal has Contains -

(A) The femoral artery & some lymphatic vessels

(B) The femoral vein & some lymphatic vessels

(C) The femoral nerve & inguinal ligament

(D) None of these